देश में कच्चे लोहे की खपत

1860. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन:**
श्री राम जेठमलानी :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में कच्चे लोहे की खपत के संबंध में कोई मूल्यांकन किया है,

(ख) यदि हां, तो खपत की वार्षिक दर कितनी है,

(ग) देश में कच्चे लोहे के उत्पादन के लिए मार्च, 1991 तक प्रतिष्ठापित क्षमता कितनी थी,

(घ) इसका औसत वार्षिक उत्पादन कितना रहा है और कितने प्रतिशत क्षमता का इस्तेमाल हुआ है, और

(ङ) कच्चे लोहे की शेष मांग को पूरा करने के लिए देश में इसको उत्पादन क्षमता में वृद्धि न होने के क्या कारण हैं ।

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) कच्चे लोहे की वास्तविक खपत में देशी उत्पादन और आयात शामिल हैं । वर्ष 1990–91 में खपत के लिए कुल 16.62 लाख टन कच्चा लोहा उपलब्ध था ।

(ग) और (घ) एकीकृत इस्पात संयंत्रों की स्थापित क्षमता तप्त धातु/अपरिष्कृत इस्पात के रूप में हैं। कच्चे लोहे के लिए कोई पृथक क्षमता नहीं है । अत: कच्चे लोहे की क्षमता के उपयोग के संबंध में प्रश्न नहीं उठता ।

कच्चे लोहे का कुल वार्षिक स्वदेशी उत्पादन वर्ष 1989–90 में 13.36 लाख टन और वर्ष 1990–91 में 14.93 लाख टन था ।

(ङ) एकीकृत इस्पात संयंत्रों की तप्त धातु/अपरिष्कृत इस्पात क्षमता धीरे-धीरे बढ़ रही है । हालांकि, इन संयंत्रों को मूल रूप से तैयार इस्पात के उत्पादन हेतु डिजाइन किया गया है । इन संयंत्रों में मूल्य वर्धित उत्पादों का अधिक उत्पादन करना आर्थिक रूप से व्यवहार्य है ।

कच्चा लोहा उद्योग 1986 में लाइसेंस मुक्त कर दिया गया ताकि निजी उद्यमों को कच्चे लोहे के उत्पादन में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके । 8वीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक गैर-सरकारी क्षेत्र में लगभग 20 लाख टन कच्चे लोहे का उत्पादन किये जाने की संभावना है ।

"धारा" तेल पर व्यय

1861. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने खाद्य तेलों के पिछले परेषित माल को किस दर पर तथा कितनी मात्रा में खरीदा था ; और

(ख) देश में खाद्य तेलों की ढुलाई पर प्रति टन कितना खर्च हुआ तथा तेल के प्रति किलो की नई पैकिंग किए जाने पर कितना खर्चा हुआ ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड , लेन देन की तिथि को प्रचलित बाजार भावों पर, खुले बाजार तथा इसकी सहायक एजेंसियों से देशी तेल की खरीद करता है । तेल वर्ष 1989–90 के दौरान राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने 82,000 एम० टी० देशी खाद्य तेल की खरीद की ।

(ख) आयातित तेल को इस समय "धारा" के लिए प्रयोग नहीं किया जाता ।

इसलिए देश में परिवहन लागत का प्रश्न ही नहीं उठता । राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, टेट्रापैक, एच० डी० पी० इ० तथा टिनपैक में धारा की बिक्री कर रहा है। कोई नई पैकिंग शुरू नहीं की गई है।

स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड

1862. **श्री राम जेठमलानी :** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड" देश में लोहे का उत्पादन करता है ;

(ख) यदि हां, तो इस संस्थान द्वारा संचालित एककों को किन-किन स्थानों पर स्थापित किया गया है ;

(ग) इन एककों की वार्षिक उत्पादन क्षमता कितनी है और क्या विगत तीन वर्षों के दौरान इन एककों में अपनी क्षमता के अनरूप उत्पादन हुआ है ;

(घ) यदि नहीं, तो 1989-90 और 1990-91 के वर्षों के दौरान इन एककों की प्रतिष्ठापित क्षमता की तुलना में उत्पादन कितना कम हुआ और लागत मूल्य में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री संतोष मोहन देव) : स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेड स्पंज लोहे का उत्पादन करता है ।

(ख) आन्ध्र प्रदेश के खम्मम जिले में पलोन्चा में कम्पनी का एक संयंत्र है।

(ग) संयंत्र का वार्षिक निर्धारित क्षमता 60,000 टन है । पिछले तीन वर्षों का वास्तविक उत्पादन निम्नलिखित है :—

1988-89	51,329 टन
1989-90	52,930 टन
1990-91	47,600 टन

(घ) वर्ष 1989-90 और 1990-91 के दौरान संयंत्र की निर्धारित क्षमता की तुलना में वास्तविक उत्पादन में आई गिरावट निम्नानुसार रही :—

1989-90	7,070 टन
1990-91	12,400 टन

निर्धारित क्षमता तक उत्पादन न होने के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि की अनुमानित प्रतिशतता निम्नानुसार है ;

1989-90	4.9%
1990-91	9.2%

कृषि उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने में बाधाएं

1863. **श्री रणजीत सिंह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि उत्पादन के लिये निर्धारित किये गये लक्ष्य को हासिल करने के मार्ग में कुछ बाधाएं वर्तमान में भी दिखाई दे रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इन बाधाओं को दूर करने के लिये सरकार कोई प्रयास कर रही है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, नहीं।